महर्षि सान्दीपनि राष्ट्रीय वेदविद्या प्रतिष्ठान, उज्जैन

(शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार के अधीन स्वायत्तशासी संस्था)

Maharshi Sandipani Rashtriya Vedavidya Pratishthan, Ujjain

(An autonomous organisation under Ministry of Education, Govt. of India)

पत्र.सं. 17-3/2026(प्र&वि)/मसारावेविप्र/ दिनांक/Date : 01.07.2026

कार्यालय आदेश/Office Order- 2052

विषय : राष्ट्रीय आदर्श वेद विद्यालयों, वेद पाठशालाओं एवं गुरु-शिष्य परम्परा इकाइयों में वेद विद्यार्थियों के भावनात्मक एवं मानसिक सुअवस्था तथा विद्यार्थी सहायता तन्त्रों के सुदृढ़ीकरण हेतु उपायों संबंधी दिशा-निर्देश विषयक।

Sub : Guidelines pertaining to measures for Emotional and Mental Wellbeing of Veda students and strengthening of Student Support Mechanisms in RAVVs/Veda Pathshalas/GSP Units-reg.

शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा अपने अर्द्धशासकीय पत्र संख्या 24011/2/2026-CDN दिनांक 17 जून 2026 के माध्यम से राष्ट्रीय शैक्षिक प्रौद्योगिकी मंच (NETF) के अध्यक्ष प्रो. अनिल सहस्त्रबुद्धे की अध्यक्षता में शैक्षणिक संस्थानों में विद्यार्थियों के भावनात्मक एवं मानसिक स्वास्थ्य के संवर्धन तथा आत्महत्या-निवारण संबंधी व्यवस्थाओं को सुदृढ़ करने के संबंध में गठित समिति की अनुशंसाएँ प्रेषित की गई हैं।

The Ministry of Education, Government of India, vide D.O. Letter No. 24011/2/2026/-CDN dated 17th June 2026, has conveyed the recommendations of the Committee constituted under the Chairmanship of Prof. Anil Sahasrabudhe, Chairman, National Educational Technology Forum (NETF), regarding strengthening the emotional and mental wellbeing of students and suicide prevention mechanisms in educational institutions.

2. तदनुसार, प्रतिष्ठान के अधीन समस्त राष्ट्रीय आदर्श वेद विद्यालयों तथा प्रतिष्ठान से सम्बद्ध समस्त अनुदानित/अनुदानरहित वेद पाठशालाओं एवं गुरु-शिष्य परम्परा इकाइयों में सुरक्षित, सहयोगात्मक एवं छात्र-केंद्रित वातावरण को सुदृढ़ बनाने की दृष्टि से निम्नलिखित दिशा-निर्देश समस्त संबंधितों की जानकारी, अनुपालन एवं आवश्यक कार्रवाई हेतु एतद्वारा निर्गत किए जाते हैं।

Accordingly, with a view to promoting a safe, supportive and student-centric environment in all the Rashtriya Adarsh Veda Vidyalayas under the Pratishthan and in all the financially aided/financially unaided Veda Pathshalas and Guru-Shishya Parampara Units affiliated to the Pratishthan, the following guidelines are hereby issued for information, compliance and necessary action by all concerned.

3. इन दिशा-निर्देशों का कार्यान्वयन राष्ट्रीय आदर्श वेद विद्यालयों के वेदाध्यापकों, आधुनिक विषय अध्यापकों तथा छात्रावास प्रतिपालकों (हॉस्टल वार्डेन्स) द्वारा एवं सम्बद्ध वेद पाठशालाओं के प्रभारी/प्रबंधन तथा सम्बद्ध गुरु-शिष्य परम्परा इकाइयों के गुरुओं द्वारा, यथाप्रयोज्य, सुनिश्चित किया जाएगा।

वेदविद्या मार्ग, चिंतामण गणेश, पो.ऑ. जवासिया, उज्जैन-456006 (म.प्र.)

Vedavidya Marg, Chintaman Ganesh, P.O. Jawasiya, UJJAIN - 456006 (M.P.)

दूरभाष/Telephone : 0734 - 2502266, 2502254, ई-मेल/E-mail : msrvvpujn@gmail.com, वेब-साईट/Website : www.msrvvp.ac.in

These Guidelines shall be implemented by Veda Teachers, Modern Subject Teachers and Hostel Wardens of Rashtriya Adarsh Veda Vidyalayas and by the In-charge/Management of affiliated Veda Pathshalas and Gurus of affiliated GSP Units, as applicable.

4. महर्षि सान्दीपनि राष्ट्रीय वेदविद्या प्रतिष्ठान, उज्जैन द्वारा प्रतिपादित सिद्धांतों एवं मूल्यों के अनुरूप राष्ट्रीय आदर्श वेद विद्यालयों, वेद पाठशालाओं तथा गुरु-शिष्य परम्परा इकाइयों के वेद विद्यार्थियों को श्रीमद्भगवद्गीता, विष्णु सहस्त्रनाम, स्तोत्रों तथा भारतीय ज्ञान परम्परा के अन्य प्रेरणादायी ग्रन्थों के नियमित पाठ, मनन एवं चिन्तन हेतु प्रोत्साहित किया जाए। ऐसी नित्यचर्याएँ आत्मविश्वास, भावनात्मक स्थिरता, सकारात्मक दृष्टिकोण, नैतिक दृढता तथा आध्यात्मिक कल्याण के संवर्धन में सहायक होती हैं तथा वेद विद्यार्थियों को समकालीन जीवन की जटिलताओं एवं चुनौतियों का सामना विवेक, धैर्य एवं समत्वभाव के साथ करने में समर्थ बनाती हैं।

In consonance with the ethos and the values upheld by MSRVVP, Veda students of RAVVs, Veda Pathshalas and GSP Units may be encouraged to undertake the daily recitation and contemplation of the Srimad Bhagavad Gita, Vishnu Sahasranama, Stotras and and other such texts. Such daily practices are conducive to the development of self-confidence, emotional stability, positive outlook, moral strength and spiritual wellbeing, enabling Veda students to navigate the complexities and challenges of contemporary life with wisdom, resilience and equanimity.

5. इसी तारतम्य में , अध्यापक/गुरु एवं वेद छात्र समय-समय पर *संवाद* एवं चिंतनपरक परिचर्चाओं के माध्यम से श्रीमद्भगवद्गीता तथा भारतीय ज्ञान परम्परा के अन्य आधारभूत ग्रन्थों में निहित शाश्वत शिक्षाओं का अध्ययन एवं मनन कर सकते हैं। इन परिचर्चाओं में *स्थितप्रज्ञ, आत्मसंयम, कर्मयोग, भक्तियोग, ज्ञानयोग* जैसे सम्प्रत्ययों तथा चरित्र निर्माण एवं आन्तरिक विकास से संबंधित अन्य विषयों को सम्मिलित किया जा सकता है। ऐसी चिंतनपरक परिचर्चाएँ वेद छात्रों में भावनात्मक परिपक्वता, आत्मबोध, नैतिक आचरण, प्रतिकूल परिस्थितियों का धैर्यपूर्वक सामना करने की क्षमता तथा जीवन के प्रति संतुलित दृष्टिकोण के विकास में सहायक सिद्ध होती हैं।

Further, Teachers/Gurus and Veda students may engage in periodic *samvada* and reflective discussions on the timeless teachings of the Srimad Bhagavad Gita and other foundational texts of the *Bhartiya Jnana Parampara*, including the concepts of *Sthita-Prajna*, *Atma-Samyama*, *Karma Yoga*, *Bhakti Yoga*, *Jnana Yoga* and and other teachings conducive to character formation and inner development. Such reflective discussions may help Veda students cultivate emotional maturity, self-awareness, ethical conduct, resilience in adversity and a balanced perspective towards life.

6. समस्त राष्ट्रीय आदर्श वेद विद्यालयों, वेद पाठशालाओं तथा गुरु-शिष्य परम्परा इकाइयों के गुरुओं से अपेक्षा की जाती है कि वे वेद विद्यार्थी सुअवस्था तन्त्रों को प्रभावी बनाने हेतु आवश्यक कदम उठाएँ तथा समय-समय पर उनकी प्रभावशीलता की समीक्षा करें। इसका उद्देश्य ऐसा पोषक एवं आत्मीय गुरुकुलीय वातावरण विकसित करना है, जो शैक्षणिक उत्कृष्टता, चरित्र निर्माण, भावनात्मक सुदृढता, आत्मानुशासन एवं समग्र

1.7.2025

कल्याण को प्रोत्साहित करें तथा भारतीय ज्ञान परम्परा के मूल्यों एवं राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 की भावना के अनुरूप विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास का मार्ग प्रशस्त करें।

All the RAVVs, the Veda Pathshalas/ Gurus of GSP Units are expected to take necessary steps for strengthening Veda students' wellbeing mechanisms and to periodically review their effectiveness. The objective is to create a nurturing Guru kula environment that promotes academic excellence, character formation, emotional resilience, self-discipline and holistic wellbeing in accordance with the values of the Bhartiya Jnana Parampara and the vision of the National Education Policy, 2020.

संलग्नक : उपर्युक्त दिशा-निर्देश (हिन्दी एवं अंग्रेजी दोनों में)
Encl : The above Guidelines (both in Hindi & English)

7.7.2026

(प्रो. विरूपाक्ष वि. जड्डीपाल)
सचिव

प्रतिलिपि/Copy to :

1. श्री संजय श्रीवास्तव, सहायक निदेशक (शैक्षणिक), को आवश्यक कार्रवाई हेतु। वे इन दिशा-निर्देशों के प्रभावी प्रसार एवं सम्यक अवबोधन के उद्देश्य से समस्त राष्ट्रीय आदर्श वेद विद्यालयों, समस्त सम्बद्ध वेद पाठशालाओं तथा समस्त सम्बद्ध गुरु-शिष्य परम्परा इकाइयों की ऑनलाइन माध्यम से संवेदीकरण बैठकों का आयोजन करेंगे। उक्त संवेदीकरण बैठकें एक बार में अधिकतम 50 प्रतिभागियों के समूहों में आयोजित की जाएँगी। इसके साथ ही, वे प्रतिष्ठान में एक ऑफलाइन संवेदीकरण बैठक का भी आयोजन करेंगे तथा उज्जैन स्थित समस्त संबद्ध वेद पाठशालाओं एवं गुरु-शिष्य परम्परा इकाइयों के प्रतिनिधियों की उसमें प्रत्यक्ष उपस्थिति सुनिश्चित करेंगे।
   Shri Sanjay Shrivastava, Assistant Director (Academics), for necessary action. He shall organise sensitization meetings of all the RAVVs, all the affiliated Veda Pathshalas and all the affiliated GSP Units through online mode, in batches of not more than 50 participants, to ensure effective dissemination and understanding of these Guidelines. Further, he shall organise an offline sensitization meeting at the Pratishthan and ensure the physical participation of the representatives of all the affiliated Veda Pathshalas and GSP Units located in Ujjain.
2. समस्त राष्ट्रीय आदर्श वेद विद्यालयों, समस्त सम्बद्ध वेद पाठशालाओं तथा समस्त सम्बद्ध गुरु-शिष्य परम्परा इकाइयों की जानकारी एवं अनुपालनार्थ प्रतिष्ठान की वेबसाइट पर अपलोड करने हेतु।
   To be uploaded on the website of Pratishthan for information and compliance of all the RAVVs, all the affiliated Veda Pathshalas and all the affiliated GSP Units.
3. कार्यालय आदेश पत्रावली/Office Order File.